मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंकः 111, मुंबई, सोमवार, 14 जून, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान
दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

महाविकास अघाड़ी सरकार में

संजय राउत ने लगाया बीजेपी पर बड़ा आरोप

संजय राउत ने बीजेपी पर बड़ा आरोप लगाया है। राउत ने कहा, 'बीजेपी की गठबंधन सरकार में हमारी पार्टी के साथ गुलामों की तरह बर्ताव किया गया। 2014 से 2019 के बीच जब महाराष्ट्र में हमारी साझा सरकार थी उस वक्त शिवसेना को राजनैतिक रूप से खत्म करने की कोशिशें की गईं।'

जितिन प्रसाद के बहाने सामना में कांग्रेस पर तीखा तंज

इस लेख में जितिन प्रसाद की बीजेपी में एंट्री का जिक्र करते हुए आगे कहा गया, 'जितिन प्रसाद कांग्रेस में थे, तब कांग्रेस को कोई फायदा नहीं हुआ और भाजपा में गए इसलिए भाजपा के लिए भी उपयोगी नहीं हैं। सवाल ये न होकर सिर्फ इतना ही है कांग्रेस पार्टी के बचे-खुचे दिग्गज भी अब नाव से धड़ाधड़ कूद रहे हैं। फिर यह सिर्फ उत्तर प्रदेश में ही हो रहा है, ऐसा नहीं है। राजस्थान में अब सचिन पायलट ने पार्टी नेतृत्व को विदाई की चेतावनी दे दी है।'

कांग्रेस के सुर बदले...

एनसीपी बोली- 5 नहीं 25 साल सीएम रहेंगे उद्धव

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में शिवसेना के नेतृत्व वाली महाविकास अघाड़ी सरकार में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। जहां एक ओर कांग्रेस कह रही है कि वह अगला विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी। वहीं दूसरी ओर एनसीपी ने कहा है कि उद्धव ठाकरे अगले 25 साल सीएम रहेंगे। इन सबके बीच शिवसेना नेता संजय राउत ने यह कहकर सनसनी फैला दी कि उनकी पार्टी को बीजेपी शासन के दौरान खत्म करने की कोशिश की गई थी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

एनसीबी ने मुंबई में बेकरी पर छापा मारकर मादक पदार्थ किये जब्त

दै. मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। ड्रग्स के खिलाफ मुंबई में चल रहे अभियान के तहत नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई की है। यहां के मालाड स्थित एक बेकरी शॉप में खाने के सामान बेचने की आड़ में ड्रग्स का धंधे का खुलासा किया है। छापेमारी करके एनसीबी ने बेकरी मालिक समेत अन्य को पकड़ा है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ

एनसीबी ने बेकरी से दो लोगों को हिरासत में ले लिया है। अधिकारियों ने बताया कि अभी पूछताछ चल रही है कि यह ड्रग्स का धंधा बेकरी की आड़ में कब से चल रहा था? उनके ग्राहक कौन-कौन हैं? इसका मास्टर माइंड कौन है? हो सकता है कि इस मामले में कुछ हाई प्रोफाइल लोगों के नाम सामने आएं।

मुंबईः अवैध लॉटरी का पर्दाफाश, सात गिरफ्तार

संवाददाता / मुंबई। मुंबई के कुर्ला इलाके में एक अवैध ऑनलाइन लॉटरी का पर्दाफाश होने के बाद सात लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

पानी भरे गड्ढे में समा गई पूरी की पूरी कार

मुंबई। रविवार को मुंबई के रिहायशी इलाके में पार्किंग में खड़ी एक कार कंक्रीट के फर्श में गड्ढा होने से पानी में डूब गई, जिसका वीडियो रविवार सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। यह घटना घाटकोपर पश्चिम इलाके की है। घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

शिक्षा का सफर

अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण के नतीजे जहां कुछ मोर्चों पर खुशी देते हैं, वहीं कुछ मोर्चों पर चुनौती भी पेश करते हैं। सबसे बड़ी खुशी की बात यह है कि उच्च शिक्षा में छात्राओं का नामांकन पिछले वर्षों में बढ़ा है। साल 2015-16 से 2019-20 तक पांच वर्षों में उच्च शिक्षा में महिला नामांकन में 18.2 फीसदी की वृद्धि हुई है, जबकि कुल नामांकन में 11.4 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी यह सर्वेक्षण भारत में महिला शिक्षा सुधार की गति दर्शाता है। वैसे हम इस मोर्चे पर ज्यादा बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे और हमें ऐसा करना ही चाहिए था, इसलिए यह प्रगति तुलनात्मक रूप से बेहतर भले लगे, पर समग्रता में पर्याप्त नहीं है। उच्च शिक्षा में महिलाओं के बढ़ते नामांकन से हमें अभिभूत नहीं होना चाहिए। अभी महिलाओं को शिक्षा के क्षेत्र में लंबी खाई को पाटना है। पुरुषों के साथ मिलकर शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाना है। अभी इतना जरूर कहा जा सकता है कि उच्च शिक्षा में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी उनकी बुनियादी मजबूती का संकेत है। शिक्षित महिलाएं ही श्रेष्ठ विकसित समाज का आधार बन सकती हैं। शिक्षा का यह मजबूत आधार महिला शिक्षा के साथ ही पुरुषों की शिक्षा को भी बल प्रदान करेगा और भारत की चमक बढ़ेगी। हालांकि, सर्वेक्षण में यह भी पाया गया है कि राष्ट्रीय महत्व के शिक्षा संस्थानों में छात्राओं की हिस्सेदारी कम है। सर्वेक्षण में यह भी पाया गया है कि व्यावसायिक पाठ्यक्रमोंमें महिलाओं की भागीदारी अकादमिक पाठ्यक्रमों की तुलना में कम है। सर्वेक्षण स्पष्ट संकेत कर रहा है कि लड़कियों को राष्ट्रीय महत्व के शिक्षा संस्थानों में अपनी पैठ बढ़ानी चाहिए। ऊंचे सपने और परिश्रम से पढ़ाई के बूते राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों में लड़कियों के लिए पर्याप्त जगह बन सकती है। लेकिन आज के समय में भी अगर ज्यादातर महिलाएं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के प्रति लगाव नहीं दर्शा रही हैं, तो चिंता वाजिब है। आर्थिक, सामाजिक मजबूती के लिए लड़कियों को रोजगार के जोखिम और मेहनत भरे पाठ्यक्रमों में भी जोर आजमाना चाहिए। अकादमिक पढ़ाई से एक स्तर तक ही लाभ है, जबकि व्यावसायिक पढ़ाई उद्यम के ज्यादा मौके प्रदान करती है। इसके अलावा, भारत में पीएचडी में अगर एक प्रतिशत छात्र-छात्राओं का भी नामांकन नहीं हो पा रहा है, तो हमें सोचना होगा। पीएचडी का आकर्षण क्यों कम हुआ है? क्या पीएचडी से वाजिब नौकरी मिल जाती है? प्रस्तुत सर्वेक्षण में कुल 1,019 विश्वविद्यालयों, 39,955 कॉलेजों और 9,599 एकल संस्थानों ने भाग लिया है, यह दायरा बड़ा होना चाहिए। खुशी की बात है, उच्च शिक्षा में नामांकित कुल छात्रों में से अनुसूचित जाति के छात्र 14.7 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के 5.6 प्रतिशत और 37 प्रतिशत छात्र अन्य पिछड़ा वर्ग से थे। 5.5 प्रतिशत छात्र मुस्लिम अल्पसंख्यक और 2.3 प्रतिशत छात्र अन्य अल्पसंख्यक समुदायों से थे। एक बात गौर करने की है कि भारत में 78.6 प्रतिशत से अधिक कॉलेज निजी क्षेत्र द्वारा चलाए जा रहे हैं, जो कुल नामांकन का 66.3 प्रतिशत है। भारत जैसे देश में ज्यादातर शिक्षा का काम सरकार के जिम्मे ही होना चाहिए, अगर ऐसा होता, तो शायद हमारे यहां शिक्षा की स्थिति ज्यादा बेहतर और समावेशी होती।

कांग्रेस की कमजोर कड़ी

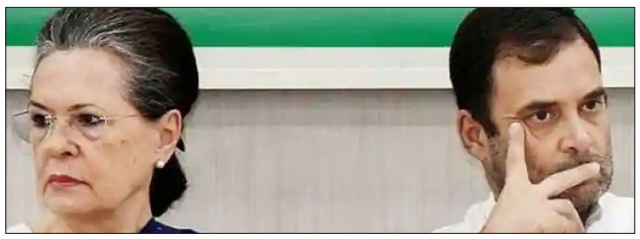

कांग्रेस के युवा नेता जितिन प्रसाद ने आखिरकार भाजपा का दामन थाम ही लिया। उत्तर प्रदेश में ब्राह्मद्दण नेता की पहचान रखने वाले जितिन एक रसूखदार राजनीतिक परिवार से संबंध रखते हैं। उनके पिता जितेंद्र प्रसाद, जो गांधी परिवार के नजदीक थे, कद्दावर नेताओं में गिने जाते थे। जितिन मनमोहन सरकार में मंत्री पद पर रहे और राहुल गांधी के करीबी समझे जाते थे। उनकी गिनती ज्योतिरादित्य सिंधिया, सचिन पायलट एवं मिलिंद देवरा के साथ होती थी। पिछले वर्ष सिंधिया भाजपा में आए और अब जितिन ने भी उनकी राह पकड़ी। उनके भाजपा में शामिल होने की चर्चाएं एक अरसे से चल रही थीं। सचिन पायलट के बार में भी समय-समय पर यह कहा जाता है कि वह भाजपा के साथ जा सकते हैं। जितिन प्रसाद के भाजपा में शामिल होने पर गांधी परिवार की तरफ से तो कोई टिप्पणी नहीं आई, लेकिन वीरप्पा मोइली, मल्लिकार्जुन खरगे और कपिल सिब्बल आदि ने अवश्य अपनी प्रतिक्रिया दी है। इन्होंने कुल मिलाकर जितिन को एक नाकाम नेता बताया है। वह बंगाल के प्रभारी थे और वहां कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली, लेकिन इसके लिए केवल उन्हें दोष नहीं दिया जा सकता। यह कहना सही नहीं होगा कि बंगाल में वाम दलों से मिलकर चुनाव लडने और मौलाना अब्बास सिद्दीकी से तालमेल करने के पीछे जितिन थे। यह सब तो शीर्ष स्तर पर तय हुआ होगा। यह भी ध्यान रहे कि राहुल गांधी बंगाल प्रचार करने तब गए, जब कई चरणों का मतदान हो चुका था। आखिर ऐसे में जितिन कर ही क्या सकते थे? माना जाता है कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस की बागडोर जबसे प्रियंका गांधी के हाथ आई, तबसे जितिन हाशिये पर चले गए थे। कांग्रेस ने यूपी की कमान अजय कुमार लल्लू को दे दी और जितिन हाथ मलते रह गए। शायद तभी उनका मोहभंग हो गया था। उनके भाजपा में जाने के बाद कांग्रेस के नेताओं की ओर से यह कहा जा रहा है कि वह लगातार चुनाव हार रहे थे। यह सही है, लेकिन आखिर उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की ओर से जीत ही कौन रहा था? सच तो यह है कि खुद राहुल गांधी भी अमेठी से चुनाव हार गए थे। यदि जितिन इस नतीजे पर पहुंचे कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का कोई प्रभाव नहीं बचा है और उसकी जड़ें सूखती जा रही हैं तो इस पर हैरानी नहीं। राज्य में कांग्रेस की हालत वास्तव में दयनीय है। कांग्रेस उत्तर प्रदेश में ही नहीं, देश के अन्य राज्यों में भी अपना रसूख खोती जा रही है। यह ठीक है कि उसके पास अभी भी एक पुराना वोट बैंक है, लेकिन वह लगातार सिकुड़ता जा रहा है और इसी कारण विधानसभाओं से लेकर लोकसभा में उसका संख्याबल कम होता जा रहा है। लोकसभा में दूसरी बार भी वह विपक्ष का दर्जा हासिल करने लायक सांसद नहीं जिता सकी। राज्यों में उसकी कमजोरी के कारण ही उसके दिग्गज नेता राज्यसभा में नहीं जा पा रहे हैं। जितिन प्रसाद के भाजपा में जाने के बाद कपिल सिब्बल समेत कई नेताओं ने कांग्रेस में बदलाव की भी बात कही है। ऐसा पहली बार नहीं कहा जा रहा है, लेकिन किसी तरह का बदलाव होता हुआ दिख नहीं रहा है। 2019 के लोकसभा चुनाव के बाद जब राहुल गांधी ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया था, तब सोनिया गांधी अंतरिम अध्यक्ष बनी थीं। माना गया था कि जल्द ही कांग्रेस को नया अध्यक्ष मिलेगा, लेकिन यह इंतजार लंबा खिंचता जा रहा है और दूसरी ओर राहुल पर्दे के पीछे से पार्टी चला रहे हैं। लगता है कि गांधी परिवार को यही व्यवस्था रास आ रही है। जो भी हो, जितिन का भाजपा में जाना राहुल की विफलता है। कांग्रेस और गांधी परिवार लगभग पर्यायवाची हैं। कभी यह स्थिति कांग्रेस के लिए अनुकूल थी, लेकिन आज प्रतिकूल नजर आती है। राहुल के साथ-साथ प्रियंका गांधी की राजनीति का मकसद गरीबी को महिमामंडित करना और मोदी को नीचा दिखाना भर रह गया लगता है। कांग्रेस के दूसरी पंक्ति के नेताओं को यह लगता है कि ये दोनों नाकाम हैं और सरकार चलाने और सदन की राजनीति करने का कोई अनुभव न होने के कारण सतही राजनीति कर रहे हैं। इन नेताओं को यह भी लगता है कि राहुल और प्रियंका चाटुकारों से घिर गए हैं और उनकी राजनीति केवल ट्विटर तक सीमित होकर रह गई है। कांग्रेस नेताओं के इस निष्कर्ष से असहमत होना कठिन है, क्योंकि राहुल और प्रियंका कहीं कोई ठोस विमर्श खड़ा नहीं कर पा रहे हैं। जितिन प्रसाद बिना किसी महत्वाकांक्षा के भाजपा में आए होंगे, यह कहना कठिन है। खतरा इस बात का है कि बाहर से आए नेताओं की महत्वाकांक्षा पूरी करने के फेर में भाजपा कहीं अपने दिग्गज नेताओं की अनदेखी न करने लगे? अगर ऐसा हुआ तो भाजपा को नुकसान उठाना पड़ सकता है। हाल के समय में भाजपा ने दूसरे दलों के कई नेताओं को अपने साथ जोड़ा है। बंगाल में उसने मुकुल राय से लेकर सुवेंदु अधिकारी तक को जोड़ा, लेकिन गत दिवस मुकुल फिर से तृणमूल कांग्रेस में लौट गए। भाजपा को सोचना होगा कि अलग विचारधारा से आए लोगों को अपने साथ जोडने से क्या हासिल हो रहा है? ऐसे नेताओं को भाजपा से तालमेल बैठाने में समय

फेरबदल या ध्यान भटकाना?

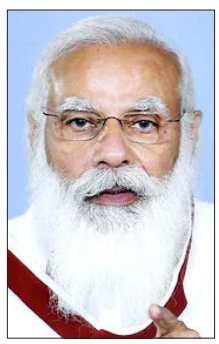

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में फेरबदल की चर्चा एक बार फिर शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री मंत्रालयों की समीक्षा कर रहे हैं और उनके साथ पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद रह रहे हैं। इसका मतलब है कि प्रधानमंत्री और पार्टी अध्यक्ष दोनों मंत्रियों के कामकाज की रिपोर्ट ले रहे हैं ताकि उनके प्रदर्शन का आकलन करके सरकार में फेरबदल का फैसला हो। दूसरी ओर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहयोगी दलों के नेताओं से मिल रहे हैं और उनकी मांगों पर विचार कर रहे हैं। मोदी के साथ शाह और नड्डा की बैठक से भी यह संकेत मिला कि सरकार में फेरबदल की तैयारी हो रही है। लेकिन क्या सचमुच इस बार मोदी सरकार का विस्तार होगा या इस बार की चर्चाएं भी फॉल्स अलार्म साबित होंगी? ध्यान रहे 30 मई 2019 को दूसरी बार शपथ लेने के बाद से ही सरकार में फेरबदल की चर्चा हो रही है। उसके बाद एक एक करके अनेक मंत्रियों के पद खाली हो गए। शिव सेना के अरविंद सावंत और अकाली दल की हरसिमरत कौर बादल सरकार से बाहर हो गए तो रामविलास पासवान और सुरेश अंगडी का निधन हो गया। एक दर्जन नेता एक या दो से ज्यादा मंत्रालयों के प्रभार संभाल रहे हैं। सरकार में प्रधानमंत्री सहित 81 मंत्री हो सकते हैं लेकिन अभी सिर्फ 55 मंत्रियों से सरकार चल रही है। सरकार में 26 मंत्री पद खाली हैं। तभी कहा जा रहा है कि मोदी सरकार के विस्तार के लिए आदर्श स्थिति है। मंत्रियों से कामकाज का बोझ कम करना है, सहयोगी पार्टियों को जगह देनी है, लोकसभा चुनाव के बाद से राज्यों में भाजपा के खराब प्रदर्शन को देखते हुए सामाजिक व क्षेत्रीय संतुलन को बेहतर करना है और उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव से पहले इन राज्यों के कुछ नेताओं को केंद्र सरकार में जगह देकर सामाजिक समीकरण ठीक करना है। सरकार में फेरबदल के लिए यह सबसे अनुकूल समय माना जा रहा है क्योंकि एक महीने बाद जुलाई में संसद का मॉनसून सत्र शुरू हो जाएगा और उसके बाद पांच राज्यों के चुनाव में बहुत कम समय बचेगा। सो, इस बार की चर्चा को गंभीर माना जा रहा है। परंतु यह भी संभव है कि सरकार में फेरबदल की चर्चा का मकसद तात्कालिक घटनाओं से ध्यान हटाना हो। इस समय सरकार और भाजपा को मुश्किल में डालने वाली कई घटनाएं हो रही हैं। आर्थिकी को लेकर नए आंकड़े आए हैं और दुनिया की तमाम एजेंसियों ने विकास दर का अनुमान घटाया है। बेरोजगारी और महंगाई के आंकड़े भी आए हैं, जिनसे लोगों की मुश्किलें जाहिर हुई हैं। कोरोना वायरस के संक्रमण और उससे मरने वालों की संख्या छिपाने को लेकर सरकार घिरी है और इस बीच हर राज्य में भाजपा संगठन व सरकार में खींचतान मची है। इसी बीच मोदी बनाम योगी का विवाद शुरू हुआ और फिर यूपी व केंद्र सरकार में बदलाव की चर्चा चला दी गई। इसका नतीजा यह हुआ है कि पिछले एक हफ्ते से मीडिया का पूरा विमर्श इन दो मसलों पर केंद्रित हो गया है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

इमारत का कॉलम और बीम क्रैक होने से मनपा ने 36 परिवार वालों समेत कराई इमारत खाली

संवाददाता/समद खाद

मुंब्रा। शनिवार 12 जून को दोपहर 2 बजे संजय नगर में स्थित श्री साइ अपार्ट के तल मंजिला रहिवासी शरीफा को अचानक इमारत से आवाज सुनाई दी, आवाज सुनते ही यह महिला घर से तुरंत बाहर आईं तो देखा इमारत का कॉलम और बीम क्रैक होता हुवा नजर आने लगा यह महिला ने सतर्कता दिखाते हुवे तुरंत चिल्लाकर इमारत के लोगों को नीचे उतरने को कहा और मनपा प्रशासन के अधिकारी को इमारत की सूचना दी। सूचना मिलते ही मनपा प्रशासन के अधिकारी मनीष जोशी सहायक आयुक्त सागर सालुंके, कार्यकारी अभियंता धनांजे गुसावी आपने पूरी टीम के साथ संजय नगर पहुंचे, उसके बाद मुंब्रा पुलिस और

दमकल विभाग का दस्ता भी वहां पहुंचा। स्थानीय रहिवासी की मदद से इमारत में रहने वाले 36 परिवार वालों को बाहर निकाला गया और मनपा प्रशासन के अधिकारी ने इस इमारत में रहने वाले लोगों को ट्रंजिट कैंप में शिफ्ट किया गया। मनपा प्रशासन के अधिकारी का कहना है यह इमारत को हमने पहले से ही धोखादायक घोषित कर दिया था। साल भर पहले इस इमारत का काम भी हुवा था। अभी इस इमारत का कॉलम और बीम क्रैक हुवा है, लेकिन हम यह इमारत अभी नहीं तोड़ेंगे, पहले स्ट्रक्चरल ऑडिट कराएँगें। उसके बाद इमारत की टेक्निकलि जांच होगी। रिपोर्ट आने के बाद हम लोग कोई डिसीसन लेंगे। फिलहाल इमारत में रहने वाले 36 परिवार वालों को ट्रंजिट कैंप में शिफ्ट कर दिया गया है। अब देखने वाली बात तो यह है कि इस इमारत की क्या रिपोर्ट आती है। अगर इमारत तोड़ने की नौबत आईं तो क्या मनपा प्रशासन इस इमारत में रहने वाले 36 परिवार वालों को घर देगा? यह तो आनेवाला वक्त ही बताएगा।

चिंदी चोरों का आतंक

मुंब्रा। शहर में चिंदी चोरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। यहां चोरों के दिल से पुलिस का डर पूरी तरह से निकल गया है। इसीलिए यह चोर निडरता से अपने चोरी के काम को अंजाम दे रहे हैं। यह चोर रिक्शे का टायर, बैटरी, गाड़ी का कवर खुली खिड़की पर रखें मुबाइल इस तरह की चोरी को बड़ी निडरता से अंजाम दे रहे हैं। इस शहर में हो रहीं चोरी से जनता काफी परेशान हैं। भले ही यह चोर बड़ी चोरी नहीं करते लेकिन लोगों का नुकसान तो होता है। अगर इन छोटे चोरों को मुंब्रा पुलिस ने नहीं रोका तो इनके हौंसले बुलंद हो जाएंगें और आनेवाला समय में यह छोटे चोर बड़ी वारदात को अंजाम दे सकते हैं, तो मुंब्रा पुलिस के सीनियर पी आई मधुकर से निवेदन है जल्द ही इन छोटे चोरों पर अंकुश लगाने का काम करें।

पीडब्ल्यूडी के काम को अब ट्राफिक विभाग कर रहा है

संवाददाता/समद खाद

मुंब्रा। 10 जून के बाद 11 जून शुक्रवार को भी बारिश बड़े पैमाने पर होती रही, जिसके चलते बाई पास रास्ता पर खड्डु हो गया और सरिया तक नजर आने लगी, रास्ता का खड्डे की मरम्मत करने का काम पीडब्ल्यूडी विभाग का है लेकिन यह काम ट्राफिक विभाग के सीनियर पी आई दिलीप पाटिल के निगरानी में ट्राफिक कर्मचारी कर रहे हैं। यह कर्मचारी रास्ता में जो खड्डे हैं उनको भरने का काम कर रहे है। ताकि बाई पास सड़क पर हो रहीं सड़क दुर्घटना से बचा जा सके। पीडब्ल्यूडी के अधिकारी से निवेदन है कि अपना काम का बोझ किसी और के सर पर ना डाले और बाई पास रास्ता पर जो भी खड्डे हुवे हैं बारिश के चलते उन्हें सही तरह से भरे। ताकि रास्ता के खड्डे के चलते कोई सड़क दुर्घटना ना हो, यह कार्य को जल्द पूरा करें, आपसे निवेदन है।

कानूनी सलाह

दै. मुंबई हलचल के सभी पाठकों और शुभचिंतकों का बहुत-बहुत अभिनंदन। दै. मुंबई हलचल अपने पाठकों के लिए लेकर आया है- कानूनी सलाह। जी हाँ, आप इस फोरम पर अपनी कानूनी समस्या पर सलाह प्राप्त कर सकते हैं।

आज का विषय

जब कोई आपकी संपत्ति का अतिक्रमण करे तो क्या करें?

अतिचार एक अपराध है जिसे भारतीय दंड संहिता और साथ ही यातना के कानून दोनों में परिभाषित किया गया है। अतिक्रमण अधिनियम से पीड़ित व्यक्ति भारतीय दंड संहिता की धारा 441 और 506 के तहत पुलिस में शिकायत दर्ज करा सकता है। जिसके अनुसार व्यक्ति को आपराधिक अतिचार के लिए दंडित किया जाएगा। यदि कोई व्यक्ति किसी भी घर में अतिक्रमण करता है तो पीड़ित व्यक्ति भारतीय दंड संहिता की धारा 442 के तहत पुलिस शिकायत दर्ज कर सकता है और वह सजा देगा।

भारतीय दंड संहिता की धारा 448 के तहत

पीड़ित व्यक्ति भारतीय दंड संहिता की धारा 103 और धारा 104 के तहत भी किसी व्यक्ति को अपनी संपत्ति को अतिक्रमण से बचाने के लिए गंभीर चोट पहुंचाने की अनुमति दे सकता है। इसके अलावा, पीड़ित व्यक्ति नागरिक प्रक्रिया संहिता के आदेश 39 नियम 1,2 और 3 के तहत भी शिकायत दर्ज कर सकता है और प्रतिवादी से अपने कृत्य से हुए नुकसान के लिए नुकसान का दावा कर सकता है।

आपकी अगर कोई कानूनी समस्या है तो हमें लिखें, हम आपका मार्गदर्शन करेंगे।

Dr. S.P. Ashok
B.Tech, LL.M., DTL, PGD (ADR)Ph.D. (Law)

टोरेंट की बढ़ती मनमानी, जनता हुई परेशान

संवाददाता/समद खाद

मुंब्रा। शहर में जब से टोरेंट ने प्रवेश किया है तब से आए दिन कोई न कोई कारण को लेकर विवादों में रहा है, टोरेंट का बढ़ते अत्याचार से मुंब्रा की जनता बुरी तरह से परेशान हैं। टोरेंट कंपनी शेहर में बढियां सर्विस देने में पूरी तरह से विफल रही है। गुरुवार 10 जून को मुंब्रा रेलवे स्टेशन की पटरी से सटा हुआ परिसर साहू नगर में केबल टूट जाने से एक फेस सुबह 11 बजे से चल गया। इस परिसर में रहने वाले लोगों ने इसकी शिकायत की पर कोई भी टोरेंट का कर्मचारी टूटा केबल जोड़ने के लिए नहीं आया। पूरा दिन इलाके के रहिवासी को बिजली के बिना ही रहना पड़ा। कई बार रहिवासी लोगों ने टोरेंट के कार्यालय में

शिकायत की तब जाकर टोरेंट के कर्मचारी ने केबल को ठीक किया। स्थानीय रहिवासी का कहना है कि यह टोरेंट कर्मचारी जबरन चलता हुआ पुराने मीटर बिना सुचित किये निकाल कर अपना नया मीटर लगा रहे हैं और मनमानी बिल नोटिस के साथ भेज रहे हैं और बिजली आये दिन गुल रहती है। टोरेंट की बढ़ते अत्याचार से शहर की जनता काफी परेशान हैं। 1 साल से उपर हो गया कोरोना की मार झेलते हुवे उस पर टोरेंट की मार शहर के जनता का कहना है कि टोरेंट कंपनी को लेकर शहर की जनता ने बड़े पैमाने पर जनअंदोलन भी किया। फिर भी टोरेंट कंपनी की ताकत के आगे जनता को बेबस होना पड़ा। अब देखने वाली बात तो यह है कि टोरेंट कंपनी की दादागिरी और मनमानी से मुंब्रा शहर की जनता को कब राहत मिलेगी यह तो आनेवाला वक्त ही बताएगा।

(पृष्ठ 1 का शेष)

महाविकास अघाड़ी सरकार में दरार!

दरअसल अघाड़ी सरकार में दिन-ब-दिन तकरार बढ़ती दिख रही है। इसकी ताजा कड़ी है महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले का वह बयान, जिसमें उन्होंने पार्टी के अकेले चुनाव लड़ने की बात कही है। अमरावती में पटोले ने कहा, 'मैं प्रदेश का कांग्रेस अध्यक्ष हूं। इसलिए अपनी पार्टी के विचार भी मैं ही रखूंगा। किसी दूसरी पार्टी का कोई नेता कांग्रेस के विचार नहीं रखेगा। मुझे नहीं पता कि शरद पवार ने क्या कहा। लेकिन कांग्रेस ने यह साफ कर दिया है कि राज्य में अगले सभी स्थानीय निकाय चुनावों से लेकर विधानसभा चुनावों में पार्टी अकेले ही लड़ेगी।' नाना पटोले का ये बयान सामने आने के बाद सरकार में अनबन के कयास लगाए जाने लगे। दरअसल संजय राउत ने सामना में एक लेख लिखा, जिससे सियासी पारा गरमा गया। इस लेख में उन्होंने कहा कि बीजेपी झूठ फैला रही है कि महाविकास अघाड़ी में मुख्यमंत्री का कार्यकाल बांटा गया है और ढाई-ढाई साल का फॉर्म्युला था। इसके बाद एनसीपी भी सामने आई। पार्टी के नेता और राज्य के कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक ने एक निजी चैनल से बातचीत में कहा, 'ऐसी कोई बात नहीं है। उद्धव ही 5 साल सीएम रहेंगे और 5 साल ही क्यों 25 साल रहेंगे।'

एनसीबी ने मुंबई में बेकरी पर छापा मारकर मादक पदार्थ किये जब्त

एनसीबी को सूत्रों से जानकारी मिली की बेकरी की आड़ में मालाड में ड्रग्स का कारोबार चल रहा है। एनसीबी ने मजबूत सबूत जुटाने के बाद बेकरी में छापा मारा। छापे के दौरान बेकरी से 160 ग्राम गांजा बरामद हुआ। कहा जा रहा है कि केक, पेस्ट्री और दूसरे बेक्ड आयटम की आड़ में यह ड्रग्स का धंधा हो रहा था। कुछ हाईप्रोफाइल लोगों को इसकी जानकारी थी। वह ड्रग्स ऑर्डर करते थे और बेक्ड आयटम की आड़ में ड्रग्स की सप्लाई आसानी से होती थी।

मुंबईः अवैध लॉटरी का पर्दाफाश, सात गिरफ्तार

एक अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर मुंबई पुलिस की सोशल सर्विस ब्रांच टीम ने कुर्ला वेस्ट में बर्वे रोड पर स्थित एक दुकान में छापेमारी की। पुलिस को जानकारी मिली थी कि इसका मालिक अवैध लॉटरी निकाल रहा है। उन्होंने बताया कि इस लॉटरी में 15 मिनट के भीतर विजेता के नाम की घोषणा हो जाती थी और राज्य या केंद्र सरकार को कोई कर अदा नहीं किया जाता था। सभी सातों आरोपियों को नेहरू नगर पुलिस कों सौंप दिया गया।

मुंबई में पानी भरे गड्ढे में समा गई पूरी की पूरी कार

पुलिस ने कहा कि घटना रविवार सुबह घाटकोपर पश्चिम की कामा लेन में एक आवासीय सोसाइटी में हुई। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। अधिकारी ने कहा, 'आवासीय सोसाइटी ने एक कुएं को कंक्रीट सीमेंट से बंद कर रखा था और स्थानीय निवासी अपनी कारें खड़ी करने के लिए इस इलाके का इस्तेमाल करते हैं।' वायरल हुए वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कुछ कारें एक खुले पार्किंग स्पेस में खड़ी हैं। उसी में से हुंडाई की वेन्यू कार जहां खड़ी हैं, उसके नीचे अचनाक गड्ढा बन जाता है। इस गड्ढे में पानी भरा दिखाई दे रहा है। देखते-देखते पूरी कार पहले गड्ढे में गिरती है, फिर पानी के अंदर समा जाती है। घटना के बाद स्थानीय पुलिस की एक टीम और ट्रैफिक पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और कार को गड्ढे से बाहर निकाला। निवासियों की सुरक्षा के लिए घटनास्थल की घेराबंदी की गई है।

कोरोना महामारी ने छीना मासूमों का बचपन

अनाथ हुए बच्चों के भविष्य पर छाए अनिश्चितता के बादल

नई दिल्ली। कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के कारण अपने प्रियजन को खोने वाले लोगों की पीड़ा की तुलना नहीं की जा सकती, लेकिन इस बीमारी ने जिन बच्चों के सिर से उनके माता-पिता का साया छीन लिया, उनके दुख और परेशानियों की थाह लेना असंभव है। माता-पिता के न रहने के कारण ये बच्चे ना केवल भावनात्मक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, बल्कि कई बच्चे वित्तीय परेशानियों से भी जूझ रहे हैं, जिसके कारण उनके भविष्य पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने बताया कि महामारी के कारण 3,621 बच्चों के माता-पिता दोनों की मौत हो गई हैं और 26,000 से अधिक ऐसे बच्चे हैं, जिनके माता या पिता में से किसी एक की मौत हो चुकी है। 10 वर्षीय शताक्षी सिन्हा के पिता की करीब एक महीने पहले कोविड-19 के कारण मौत हो गई थी और अब वह अपने जीवन को पटरी पर लाने की कोशिश कर रही है, लेकिन उसकी मां कल्पना सिन्हा ने कहा, चीजें पहले की तरह सामान्य कभी नहीं हो

पाएंगी। कल्पना के 57 वर्षीय पति एक संपादक थे और परिवार में कमाने वाले एकमात्र व्यक्ति थे। शताक्षी के सामने अब चुनौती यह है कि भले ही उसकी देखभाल करने के लिए उसके पास मां है, लेकिन उसके पास अब कोई वित्तीय सहयोग नहीं है। कल्पना ने कहा, मैं हमेशा गृहिणी रही हूं। मैं अचानक से बाहर काम करना कैसे शुरू करूं? सच कहूं, तो मैं यह भी नहीं जानती कि मैं क्या कर सकती हूं और मुझे यदि नौकरी मिल भी जाती है, तो भी मैं जब काम पर जाऊंगी, तो अपनी बेटी को कहां रखूंगी। हम ऐसे समय में जी रहे हैं, जब किसी पर भी भरोसा नहीं किया जा सकता। दिल्ली सरकार ने स्कूलों को उन बच्चों की फीस माफ करने का निर्देश दिया है, जिनके माता-पिता की कोविड-19 के कारण मौत हो गई है। कल्पना ने सरकार की इस योजना के तहत अपनी बेटी के स्कूल में निःशुल्क शिक्षा के लिए आवेदन किया है, लेकिन उसे अभी तक कोई उत्तर नहीं मिला है। इसी प्रकार, उत्तम नगर में रहने वाले गौरंग (13) और दक्ष गुप्ता (छह) के पिता ई-रिक्शा चालक थे और परिवार में कमाने वाले एकमात्र व्यक्ति थे, लेकिन उनकी भी संक्रमण के कारण मौत हो गई।

देश में बढ़ती जीवन रक्षक गैस की मांग को पूरा करने के लिए चलाया जाएगा 'प्रोजेक्ट ऑक्सीजन'

मुंबई। कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान देशभर में ऑक्सीजन की किल्लत को ध्यान में रखते हुए अब ऑक्सीजन की क्षमता बढ़ाने के लिए देश में 'प्रोजेक्ट ऑक्सीजन' शुरू किया है। परियोजना का लक्ष्य वर्तमान मांग को पूरा करना, मेडिकल ऑक्सीजन का निर्माण करना और साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि भविष्य में ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति हो सके। ऑक्सीजन की मांग में इस वृद्धि को पूरा करने के लिए देश की क्षमता को बढ़ाने के लिए काम कर रहे हितधारकों को सक्षम करने के लिए प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय की सीधी कमान के तहत 'प्रोजेक्ट ऑक्सीजन' चलाया जा रहा है। परियोजना के तहत, ऑक्सीजन का एक राष्ट्रीय संघ राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण कच्चे माल जैसे जिओलाइट्स, छोटे ऑक्सीजन प्लांटों की स्थापना, कम्प्रेसर का निर्माण और ऑक्सीजन प्लांट, कंसंट्रेटर और वेंटिलेटर जैसे सामानों की राष्ट्रीय स्तर की आपूर्ति को सक्षम कर रहा है।

प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि कंसोर्टियम न केवल अल्पकालिक राहत प्रदान करने के लिए बल्कि दीर्घकालिक तैयारियों के लिए विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए भी काम कर रहा है। विशेषज्ञों की एक समिति भारत स्थित निमार्ताओं, स्टार्ट-अप और एमएसएमई (फिक्की, मेसा, आदि के साथ साझेदारी में) के एक पूल से महत्वपूर्ण उपकरण जैसे ऑक्सीजन प्लांट, कंसेंट्रेटर और वेंटिलेटर का मूल्यांकन कर रही है। विनिर्माण और आपूर्ति संघ में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स (टीसीई), सी-कैंप, बेंगलुरु, आईआईटी कानपुर (आईआईटी-के), आईआईटी दिल्ली (आईआईटी-डी), आईआईटी बॉम्बे (आईआईटी-बी), आईआईटी हैदराबाद (आईआईटी-एच), आईआईएसआर, भोपाल, वेंचर सेंटर, पुणे, और 40 से अधिक एमएसएमई शामिल हैं।

विधायक के हाथों समाजसेवकों का सम्मान

मुश्ताक खान

मुंबई। कोविड -19 के दौरान सामाजिक कार्यों में उत्कृष्ट भूमिका निभाने वाले समाजसेवकों को बृहन्मुंबई महानगर पालिका के बी वार्ड द्वारा स्थानीय विधायक के हाथों सम्मानित किया गया। बताया जाता है कि कोरोनाकाल में आम लोगों की सहायता करने वालों को विशेष रुप से प्रशस्ति पत्र दिया गया। इस मौके पर इस्लामिक वोलेंटियर्स ट्रूप्स (आई वी टी) के सचिव अफजल दाऊदानी के अलावा अन्य कई गणमान्य समजसेवको को विधायक अमीन पटेल के हाथों प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। बता दें कि कोविड-19 के दौरान उत्कृष्ट भूमिका निभाने वालों में अव्वल नं आईवीटी का रहा।

कोमॉर्बिड कोरोना मरीजों को दी 'कॉकटेल थेरेपी', हफ्ते भर में गुड रिजल्ट

संवाददाता

मुंबई। कोरोना के हल्के लक्षणों, लेकिन ज्यादा जोखिम वाले मरीजों को दी गई 'कॉकटेल थेरेपी' के अच्छे रिजल्ट आए हैं। मुंबई में कई मरीजों पर मोनोक्लोनल ऐंटिबॉडी कॉकटेल थेरेपी का इस्तेमाल किया गया। इस थेरेपी से एक निजी अस्पताल के चार रोगियों को प्रभावी रूप से रिकवर होने में मदद मिली है। यह चारों मरीज अन्य बीमारियों से भी पीड़ित थे। को-मॉर्बिडिटी वाले चार मरीजों में से दो लोग गंभीर मोटापे से ग्रसित थे। बता दें कि फरवरी 2021 में अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने हल्के से मध्यम लक्षण वाले कोरोना रोगियों के उपचार के लिए ऐंटिबॉडी कॉकटेल के आपातकालीन उपयोग की अनुमति दी थी। म्यूटेशन को कम करने के लिए मई 2021 में भारत में थेरेपी को देना शुरू किया गया। 58 साल की उम्र के गंभीर रूप से मोटापे से ग्रस्त और गंभीर ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया सिंड्रोम के इतिहास वाले व्यक्ति को 2 जून

को ऐंटिबॉडी कॉकटेल थेरेपी नानावटी अस्पताल में दी गई। पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. सलिल बेंद्रे ने बताया कि वह बिना हाइपॉक्सिया के एक हाई रिस्क वाला मरीज था, लेकिन उन्हें शरीर में दर्द जैसा हल्का लक्षण था। चूंकि रोगी का टेस्ट 30 मई को पॉजिटिव आया था, इसलिए हमने कोरोना बीमारी के खतरे की आशंका के मद्देनजर मोनोक्लोनल कॉकटेल देने का फैसला किया। मरीज को 48 घंटे तक निगरानी में रखा गया और उसके बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

दो को-मॉर्बिड मरीज भी दो हफ्ते में स्टेबल

मरीज को को-मॉर्बिडिटी की वजह से गंभीर कोविड-19 खतरे का सामना करना पड़ सकता था। लेकिन दो हफ्ते बाद वह स्टेबल हो गए। एक अन्य हाइपरटेंशन और हल्के मधुमेह से पीड़ित 125 किलो वजन वाली 50 वर्षीय महिला में भी कॉकटेल थेरेपी से महत्वपूर्ण रिकवरी देखने को मिली है। महिला का इलाज कर रहे डायबेटोलॉजिस्ट डॉ. गिरीश परमार ने बताया कि कोरोना संक्रमण के 7वें दिन महिला अस्पताल में इलाज के लिए आई। उन्हें खांसी और बुखार के हल्के लक्षण थे। चूंकि वह एक उच्च जोखिम वाली मरीज थीं, इसलिए 9 जून को उन्हें मोनोक्लोनल ऐंटिबॉडी कॉकटेल थेरेपी दी गई। फिलहाल वह तेजी से रिकवरी कर रही हैं।

मोनोक्लोनल ऐंटिबॉडीज से जल्दी रिकवरी के संकेत

ऐंटिबॉडी कॉकटेल पानेवाले अन्य दो रोगियों में अनियंत्रित मधुमेह और हृदय संबंधी समस्याओं से जूझ रही एक 50 वर्षीय महिला और उच्च रक्तचाप से पीड़ित 57 वर्षीय व्यक्ति भी शामिल है। इनका बुखार सात दिनों तक कम नहीं हुआ। दोनों रोगियों में हल्के लक्षण थे लेकिन मोनोक्लोनल ऐंटिबॉडीज की वजह से जल्दी रिकवरी के संकेत मिले।

क्या है यह थेरेपी?

मोनोक्लोनल ऐंटिबॉडी प्रयोगशाला निर्मित प्रोटीन होते हैं, जो हानिकारक पैथोजंस से लड़ने की प्रतिरक्षा प्रणाली की क्षमता की नकल करते हैं। दो मोनोक्लोनल ऐंटिबॉडीज, बाम्लानिविमैब और एटेसेविमैब को विशेष रूप से सार्स-कोव-2 के स्पाइक प्रोटीन के खिलाफ इस्तेमाल में लाया जाता है, जिसे वायरस के अटैचमेंट और मानव कोशिकाओं में उसके प्रवेश को रोकने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका असर तेजी से रिकवरी के रूप में होता है।

सिब्बल बोले- कांग्रेस में दोबारा उभार देश की जरूरत, लेकिन पार्टी को दिखाना होगा कि वह एक्टिव है

नई दिल्ली। कांग्रेस के सीनियर लीडर कपिल सिब्बल ने पार्टी को खुरे वक्त से उबारने के लिए कुछ सुझाव दिए हैं। उनका कहना है कि कांग्रेस में दोबारा उभार देश की जरूरत है। इसके लिए पार्टी को भी यह दिखाने की जरूरत है कि वह एक्टिव है और सार्थक रूप से जुड़ना चाहती है। सिब्बल ने रविवार को कहा कि पार्टी संगठन के चुनाव जल्द कराए जाने चाहिए। केंद्र और राज्यों के स्तर पर बड़े सुधारों की जरूरत है, ताकि हम यह दिखा सकें कि पार्टी अब जड़ता की स्थिति में नहीं है। देश में राजनीतिक विकल्प का अभाव है। इसलिए इस समय एक मजबूत और भरोसेमंद विपक्ष जरूरी है। कांग्रेस में अनुभव और युवाओं के बीच संतुलन बनाने की तुरंत जरूरत है। सिब्बल कांग्रेस नेताओं के जी-23 ग्रुप के मुखर सदस्यों में से एक हैं, जिसने संगठन में सुधार की

मांग करते हुए पार्टी की टॉप लीडरशिप को चिट्ठी लिखी थी। तब राहुल गांधी ने चिट्ठी लिखने वाले नेताओं को भाजपा का मददगार बता दिया था। इन नेताओं में गुलाम नबी आजाद और आनंद शर्मा जैसे गांधी परिवार के करीबी रहे नेता भी शामिल हैं। बिहार चुनाव के बाद सिब्बल ने एक इंटरव्यू में कहा था कि बिहार और उप-चुनावों के नतीजों से ऐसा लग रहा है कि देश की जनता कांग्रेस को प्रभावी विकल्प नहीं मान रही है। गुजरात उपचुनाव में हमें एक सीट नहीं मिली। लोकसभा चुनाव में भी यही हाल रहा था। उत्तर प्रदेश के उपचुनाव में कुछ सीटों पर कांग्रेस प्रत्याशियों को 2% से भी कम वोट मिले। सिब्बल का कहना था कि पार्टी ने इसके बाद भी आत्ममंथन नहीं किया तो अब इसकी उम्मीद कैसे कर सकते हैं? हमें कमजोरियां पता हैं, यह भी जानते हैं संगठन के स्तर पर क्या समस्या है। शायद समाधान भी सबको पता है, लेकिन इसे अपनाना नहीं चाहते। अगर यही हाल रहा तो पार्टी को नुकसान होता रहेगा। कांग्रेस की दुर्दशा से सबको चिंता है।

मिल्खा सिंह की पत्नी का निधन

चंडीगढ़। भारत के दिग्गज स्प्रिंटर रहे मिल्खा सिंह की पत्नी निर्मल कौर का पोस्ट कोविड कॉम्प्लिकेशंस के कारण निधन हो गया। वे 85 साल की थीं। निर्मल भारतीय महिला वॉलीबॉल टीम की कप्तान रह चुकी थीं। साथ ही वे पंजाब सरकार में स्पोर्ट्स डायरेक्टर (महिलाओं के लिए) के पद पर भी रही थीं। मिल्खा सिंह के परिवार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि निर्मल कौर का निधन रविवार शाम 4.00 बजे हुआ। बयान में आगे कहा गया है कि आईसीयू में भर्ती होने के कारण मिल्खा सिंह पत्नी के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो सके।

fresh &easy
GENERAL STORE

ALL TYPES OF SAUDI DATES AVAILABLE
SPECIALIST IN:
DRY FRUITS
& MANY MORE ITEMS AVAILABLE HERE
Fast & Free DELIVERY
ADDRESS + 91 8652068644 / + 91 7900061017
Shop No. 18, Parabha Apartment, Sejal Park, Beside Oshiwara Bus Depot, Link Road, Goregaon (W), Mumbai-400104

बुलढाणा हलचल

खाताधारक की वारीस को 6 लाख का बीमा लाभ राजर्षि साहू पटसंस्था की प्रतिबद्धता

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। खाताधारक की मृत्यु के बाद, उसके उत्तराधिकारियों को राजर्षि शाहू मल्टीस्टेट को-ऑप क्रेडिट सोसाइटी की मेहकर शाखा के माध्यम से 6 लाख रुपये का बीमा लाभ दिया गया था। बीमा की मदद से घर के कर्ता के निधन से संकट में फंसे परिवार को बड़ा सहारा मिला है। मेहकर तालुका के शेंदला के विनोद रहाटे का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा, एक बेटी, मां ऐसा एक बडा परिवार हैं। विनोद रहाटे घर के कर्ता व्यक्ती थे। उन पर पूरे परिवार के लिए जिम्मेदारी थी।

लेकिन उनका अचानक दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। जिस से उनके जाने से परिवार पर बडी संकट परस्थिती आ गई। इस तरह उन्हें राजर्षि शाहू मल्टीस्टेट के जरिए काफी सहारा मिला। विनोद रहाटे पटसंस्था की मेहकर शाखा के खाताधारक थे। उन्होंने 31 अगस्त 2017 को 6 लाख रुपये की बीमा पॉलिसी निकाली थी। इसलिए उनके निधन की सूचना मिलते ही शाखा द्वारा बीमा के लाभ के दस्तावेज पूरे कर दिए गए। संबंधित बीमा कंपनी के साथ पालन करके बीमा स्वीकृति प्राप्त की। इस बीच 11 जून को खाताधारक के वारिस की पत्नी ज्योति विनोद रहाटे को संस्था के उपाध्यक्ष आशीष रहाटे के हाथो 6 लाख 7 हजार 388 रुपये का चेक सौंपा गया। इस अवसर परसुभाष रहाटे, दिव्या रहाटे, समर्थ रहाटे, विभागीय अधिकारी संतोष उबरहंडे, अमोल सुसर, संदीप दळवी, भागवत मवाळ आदि उपस्थित थे।

अनाथों के गृह अधिकारों की जांच की जानी चाहिए, संपत्ति के अधिकारों को बनाए रखा जाना चाहिए: जिला कलेक्टर

बुलडाणा। जिले में अनाथों की मिली जानकारी के आधार पर सभी बच्चों की गृह जांच कराकर अनाथों के संपत्ति अधिकार को बरकरार रखा जाए। जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों और कोविड केंद्रों पर 1098 बाल सहायता संपर्क नंबर प्रकाशित किए जाएं। साथ ही राजस्व, महिला एवं बाल विकास एवं ग्राम पंचायत विभाग ने जिले में कोई भी बच्चा वंचित न रहे। इसे सुनिश्चित करने के निर्देश कलेक्टर एस. राममूर्ति ने दिया। विभाग की ओर से जिला कलेक्टर बुलडाना के हॉल में 11 जून 2021 को दोपहर 12 बजे कोरोना महामारी के कारण माता-पिता और एक अनाथ बच्चे की देखभाल और सुरक्षा के लिए टास्क फोर्स की बैठक हुई। इस अवसर पर जिल्हा पोलिस अधीक्षक अरविंद चावरीया, जि.प मुख्य कार्यकारी अधिकारी भाग्यश्री विसपुते, सचिव जिल्हा विधी सेवा प्राधिकरण आरिफ सय्यद, जिल्हा आरोग्य अधिकारी डॉ. कांबळे, जिल्हा शल्य चिकित्सक डॉ. पाटील, सदस्य बाल कल्याण समिती, जिल्हा बाल संरक्षण अधिकारी मराठे, जिल्हा महिला व बाल विकास अधिकारी मारवाडी आदी उपस्थित थे।

राजस्थान हलचल

रोकना होगा, टोकना होगा तभी रुकेगा बाल श्रमः पूनम अंकुर छाबड़ा

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जयपुर। बाल श्रम निषेध दिवस पर सकारात्मकता को समर्पित सोशल समूह यूथ वर्ल्ड द्वारा वर्चुअल संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रधान सरंक्षक राज कंवर राठौड़ ने बताया की बाल श्रम कैसे रुके इस विषय पर मंथन किया गया। वहीं संगोष्ठी का आगज यूथ वर्ल्ड परिवार की और से नेशनल एडवाइजर अलका हेजल भटिंडा ने सभी का स्वागत कर किया। यूथ वर्ल्ड सोशल मंच की वर्चुअल संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रुप मे भारत सरकार के बाल श्रम बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष शिशुपाल सिंह निम्बाडा ने कहा की हम सब को जागरुक होकर इस विकराल समस्या के प्रति संकल्प लेना होगा, ना तो हम बाल श्रमिक रखेगे और न ही किसी बाल श्रमिक रखने वाले का सहयोग करेगे। सरकार से ज्यादा आम जन को जागरुक होना होगा तभी इस पर अंकुश लगेगा। संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रही सम्पूर्ण शराबबंदी आंदोलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम अंकुर छाबडा ने कहा की सबसे पहली जिम्मेदारी हम सब की है कि हम बालश्रम को रोकें तथा किसी भी रुप मे बालश्रम करवाने में भागीदार न बने। पूनम अंकुर छाबड़ा ने कहा साथ ही बाल श्रमिकों के पुनर्वास के लिए प्रयास करने होंगे तभी इस समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता बंधुआ मुक्ति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष समाज सेवी राजेश यान्निक अलवर ने

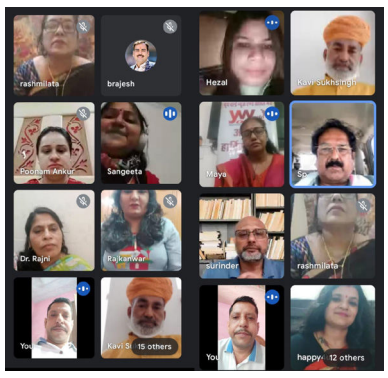

सम्पूर्ण आंकड़ो के साथ इस समस्या पर प्रकाश डाला और कहा की इस समस्या के निराकरण को लेकर सिर्फ सरकारों के भरोसे नही रहना चाहिए। हम सब को जागरुक होना होगा और बाल श्रम की रोकथाम को लेकर कानून बने है पर उनका किर्यान्वह्न नही होता क्योंकि आम जन में जागरुकता नही है तो हम सबको इन कानूनों की जानकारियां भी जन जन में पहुचानी होगी और लोगो को जागरूक करना होगा। निदेशक मधुमाया सिंह ने बताया की संगोष्ठी में समाज सेवी सीए सुधीश शर्मा बीकानेर ने कहा की बाल श्रम को रोकने के लिए समाज को ही आगे आना होगा और सभी सकारात्मक सोच के लोगो को मिलकर काम करना होगा। नेशनल एडवाइजर यूथ वर्ल्ड शिक्षाविद डॉ सुरेन्द गोयल सिरसा ने कहा की बाल श्रम को रोकना और ऐसे बालको को शिक्षा से जोड़ना अतिमहत्वपूर्ण है कब तक बाल श्रमिक शिक्षा से नही जुड़ेंगे तब तक कोई फायदा नहीं सरंक्षक महामहोपोध्याय पण्डित राजेंद्र शास्त्री राजकोट, समाज सेवी साईं धाम फरीदाबाद के मोतीलाल गुप्ता, शिक्षाविद डॉ सत्यनारायण चौधरी जयपुर, रश्मि लता मिश्रा बिलासपुर, रागिनी उपलपवार भोपाल, कवि सुख सिंह आऊवा, शोभा चाहिल बिलासपुर, श्रया पांडे बिलासपुर, संगीता अग्रवाल आगरा, अंशिका, अंशाक राजोटिया आगरा, भावना मिश्रा दिल्ली, डॉ रजनी हर्ष, हर्षिता कुमारी, देवेंद्र सारस्वत बीकानेर, चेन सिंह कोलायत, बृजेश कुमार बीकानेर, सुखमिला अग्रवाल मुंबई, ब्रांड एम्बेसडर प्रतीक शर्मा आगरा सहित सभी प्रबुद्धजन ने बाल श्रम रोकथाम पर विचार रखे और इस विषय पर अपने सुझाव दिए। यूथ वर्ल्ड सोशल मंच प्रमुख भैरु सिंह राजपुरोहित ने सभी का आभार व्यक्त करते कहा की आज बाल श्रम निषेध दिवस पर बाल श्रम रोकने की जागरुकता को लेकर आयोजित की गई वर्चुअल संगोष्ठी के माध्यम से सभी वरिष्ठ वक्ताओ के बहुत सारगर्भित विचार पटल पर आए और हम सब संकल्पित भाव से बाल श्रम रोकने और बाल श्रमिकों के चेहरे की मुस्कान लौटाने की दिशा में कार्य करेगे।

रामपुर हलचल

नदियों में अधिक पानी आने पर बाढ़ जैसी स्थिति

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा/रामपुर। पहाडों पर होने वाली अधिक वर्षा के चलते नदियों में अधिक पानी आने पर बाढ़ जैसी स्थिति का होना, ग्रामीण इलाकों में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए कच्चे मकान हो जाते हैं ध्वस्त, लालपुर पुल की समस्या का भी नहीं हो सका है समाधान, अस्थाई पुल हटने से क्षेत्रीय जनता का सम्पर्क जिला मुख्यालय से टूटना तय, समय एवं धन दोनों की बर्बादी के चलते होना पड़ता है परेशान, बाढ़ पीड़ितो को समस्या उत्पन्न होने पर सरकार द्वारा किया जाता हैं आर्थिक मदद का सहयोग वर्षा ऋतु का मौसम आने से पूर्व ही मानसून ने अपनी दस्तक देना शुरू कर दी है अनुमान हैं कि अबकी बार पहाड़ो पर अधिक वर्षा होने की सम्भावनाऐं व्यक्त की जा रही हैं साथ ही प्रदेश में भी अधिक वर्षा होने की उम्मीदें जगती दिखाई दे रही हैं अधिक वर्षा होने के चलते क्षेत्रीय नदियों एवं नहरों का जल स्तर खतरे के निशान से ऊपर चला जाता है आपदा ग्रस्त इलाकों में राहत सामग्री बन्दोबस्त का इन्तेजाम सरकार द्वारा पहले से ही करा दिया जाता है वही क्षेत्र में वर्षा होने के साथ साथ ग्रमीण वासियों को अनेकों प्रकार की कठिनाइयों के चलते अपना समय व्यतीत करना पड़ता है ऐसी स्थिति में जान भी जोखिम में पड़ जाती हैं तथा जानवरों को भी कठिनाइयों के चलते उनके चारा पानी की दिक्कतें सामने आने लगती हैं गम्भीर अवस्था को देखते हुए समय रहते सरकार द्वारा भी सुविधाऐं उपलब्ध करा दी जाती हैं उधर जिला मुख्यालय को जाने वाला लालपुर का अस्थाई पुल से लोग अपनी समस्याओं से घुटकारा पाते चले आ रहे थे लेकिन वर्षा ऋतु के मौसम से पहले अस्थाई पुल को उखाड़ दिया जाता है मुख्यालय को आने जाने का रास्ता बन्द होकर रह जाता है जिससे क्षेत्रवासियों को अनेकों प्रकार की समस्याओं के चलते जूझना पड़ता है जिला मुख्यालय पहुंचने के लिए क्षेत्रीय जनता को दूसरा रास्ता अपनाकर धन एवं समय दोनों की बर्बादी के चलते पहुंचना पड़ता है लालपुर पुल की समस्या काफी लम्बे समय से चली आ रही हैं सपा शासन काल में पुल के निर्माण कार्य को लेकर उम्मीदें जगती दिखाई दे रही थी लेकिन भाजपा शासन काल के आते ही पुल का कार्य अधर में लटक गया जो आज तक पूरा नहीं हो सका क्षेत्रीय जनता को किसी भी तरह से समस्याओं के चलते उनका निराकरण नहीं हो पा रहा हैं मात्र लालपुर पुल का निर्माण कार्य आशवासनों तक ही सीमित होकर रह गया है गम्भीर समस्या को देखते हुए फिल्हाल नगर एवं क्षेत्रीय जनता बेहद परेशान एवं चिन्तित होती नजर आ रही हैं बाबुजूद उसके समस्याओं से फिल्हाल छुटकारा तक नहीं मिल पा रहा हैं स्थिति ज्यों की त्यों बनी हुई हैं।

द्वितीय महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में मराठी अभिनेत्री प्रिया पानसरे को किया जायेगा सम्मानित

पुणे। कोरोना बायरस के चलते ऑनलाइन हो रहे 'इंडियन फिल्म एड टी.वी. आर्टिस्ट्स एसोशियेशन', अग्रसेन फिल्मी हलचल, शंकर कास्टिंग तथा शंकर फिल्म्स के सयुंक्त तत्वावधान में 7 अक्टूबर 2021 को त्रिदिवसीय महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में मराठी युवा फिल्म अभिनेत्री प्रिया पानसरे को महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल लाइफ टाइम एचीवमेंट गोल्डन अवार्ड दिया जायेगा। फिल्म फेस्टिवल के फाउंडर, ऑर्गनाइजर तथा डायरेक्टर गिरजा शंकर अग्रवाल ने बताया कि प्रिया बहुत नेक इंसान हैं। प्रिया को अवार्ड के लिए नामित किया गया हैं। प्रिया पानसरे , पाटस, तहसील दौड़, पुणे, महाराष्ट्र की निवासी हैं। इंडस्ट्रीज में आये अभी आठ माह हुए हैं। इन्होंने आठ माह में अभिनय के बल पर अच्छा मुकाम बना लिया हैं। इन्होंने मराठी बेबसीरीज, म्यूजिक एल्बम में काम किया हैं। वर्तमान में 'कुणबीच पोर' ह्या सीरिअल मध्ये मी लीड चे काम किया हैं। जो सोनी मराठी चैनल पर प्रसारित हो रहा हैं। इन्हें बचपन से ही फिल्में देखने का शौक था। इसी शौक को प्रिया को इस मुकाम तक पहुँचाने में कामयाबी मिली हैं। प्रिया ने बताया कि हमारे पापा ने हमारा हौसला बढ़ाया हैं। पापा कहते हैं। कभी इंसान को हिम्मत नही हारना चाहिए। एक दिन सफलता अवश्य मिलती हैं। प्रिया ने बताया कि बड़े बजट की फिल्म मिली हैं। शीघ्र ही शूटिंग प्रारम्भ होगी। एक दिन प्रिया पानसरे फिल्म जगत की बड़ी अभिनेत्री बनेगीं। प्रिया कई सामाजिक संस्थाओ से जुडी हुयी हैं। निरंतर सामाजिक कार्य करती रहती हैं। इंसान के साथ साथ जीव जन्तु एवं पशुओ से भी काफी लगाब हैं। प्रिया के अंदर सेवा भाव हैं। हमेशा कहती हैं। मानव, पशु, जीव जन्तु की सेवा, ईश्वर की सेवा करने के सामान हैं। फिल्म फेस्टिवल के डायरेक्टर गिरजा शंकर अग्रवाल ने कहा हैं। कि प्रिया के इतने अच्छे विचार हैं। वास्तविकता में अवार्ड प्राप्त करने के लिए उनका हक बनता हैं।

समस्तीपुर हलचल

माकपा समस्तीपुर लोकल कमिटी की बैठक कृष्ण कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में संपन्न हुई

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। माकपा समस्तीपुर लोकल कमिटी की बैठक कृष्ण कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में आगामी 14 जून को शहीद का०अजीत सरकार के शहादत दिवस के अवसर पर जवाब दो आन्दोलन के रूप मनाये जाने का निर्णय लिए गए। माकपा जिला कार्यालय एवं विधायक अजय कुमार पर हमला करने वाले दोषी को गिरफ्तारी की मांग को लेकर जिलास्तरीय प्रदर्शन की सफलता के लिए सभी शाखा की बैठक जीवी कर अधिक से अधिक भागीदारी के लिए तैयारी करने का निर्णय लिया गया। बैठक में उपेन्द्र राय सत्यनारायण सिंह रघुनाथ राय रामसागर पासवान संगीता राय मीरा देवी अयूब अनिल कुमार राय धीरज कुमार भाग लिये।

पंचायत सचिव को पुलिस ने किया गिरफ्तार

समस्तीपुर। कल्याणपुर प्रखंड में कार्यरत पंचायत सचिव को रविवार के दिन कल्याणपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर थाना ले आई है। पंचायत सचिव पर वर्ष 2016 में शिक्षक नियोजन संबंधित होल्डर का गायब करने का नामजद आरोपी था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान समस्तीपुर जिले के सिंघिया थाना क्षेत्र के केउर कोठर गांव निवासी बेनी राम के 62 वर्षीय पुत्र लक्ष्मी राम के रूप में हुई है, जो वर्ष 2016 में कल्याणपुर प्रखंड में पंचायत सचिव था। जिसको पुलिस ने घर से गिरफ्तार कर लिया गया है।

मुख्यमंत्री ने बढ़ाया जनप्रतिनिधियों का सम्मानः मुकेश

समस्तीपुर। छात्र जदयू के पूर्व जिला अध्यक्ष मुकेश कुमार ने कहा कि कोरोना महामारी के कारण त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव समय से नहीं हो पाने के कारण केंद्र एवं राज्य सरकार के योजनाओं की कार्यान्वयन की जिम्मेदारी पदाधिकारियों के पास जाना तय था, परंतु बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के ऐतिहासिक निर्णय से जनप्रतिनिधियों का सम्मान बढ़ा है। समय समय पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जनप्रतिनिधियों का मनोबल बढ़ाने का काम किया है। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में महिलाओं को आरक्षण, जनप्रतिनिधियों को वेतन एवं भत्ता, वार्ड कार्यान्वयन समिति का गठन, विभिन्न जातियों को आरक्षण आदि देकर नीतीश कुमार ने गाँधी जी के आदर्श पंचायत की परिकल्पना को धरातल पर उतारने का कार्य किया है। जनप्रतिनिधियों के कार्यकाल बढ़ाने के निर्णय का स्वागत श्रवण शर्मा, बजरंगी सहनी, रामबाबू ठाकुर, रवि शर्मा, उमेश सहनी, रामप्रवेश पासवान, राजा यादव आदि ने किया है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अगर आप भी है इन 5 प्रॉब्लम के शिकार तो कभी न लें बेल का जूस

बेल के जूस में कैल्शियम, फॉस्फोरस, फाइबर, प्रोटीन, आयरन आदि भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं इसलिए इसे सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। इससे शरीर में पूरा दिन ठंडक और एनर्जी बनी रहती है। इसके फायदे तो सभी जानते ही हैं लेकिन इसका सेवन कुछ लोगों के लिए हानिकारक भी हो सकता है। आज हम आपको बताएंगे किन-किन लोगों को नुकसान पहुंचाता है बेल का जूस।

1. डायबिटीज रोगियों के लिए

बेल का फल ज्यादा मीठा होने के कारण डायबिटीज के रोगियों के लिए हानिकारक होता है और बाजार से मिलने वाले बेल के जूस में तो काफी मात्रा में चीनी होती है। इसलिए डायबिटीज रोगियों को इसका सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिए।

2. गर्भवती महिलाओं के लिए

गर्भवती महिलाओं को इसका जूस पीना हानिकारक है क्योंकि इससे गर्भपात होने का खतरा होता है। इसके अलावा स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए भी यह नुकसानदेह है इससे उनके दूध कम बनता है।

3. सर्जरी के दौरान हानिकारक

जिन लोगों की सर्जरी होनी हो या हो फिर चुकी हो, उन्हें कुछ सप्ताह इसका सेवन नहीं करना चाहिए। क्योंकि इसके सेवन से ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है। जिससे रोगी को नुकसान हो सकता है।

4. थायरॉइड के रोगियों को

थायरॉइड की मेडिसिन लेने वाले रोगियों पर इसका दुष्प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए अगर कोई थायरॉइड की दवा ले रहा है तो उसे इसका सेवन नहीं करना चाहिए।

5. कब्ज के रोगी को

जिन लोगों को कब्ज की समस्या रहती है उन्हें बेल का जूस नही लेना चाहिए। आम लोगों को भी एक बार में एक गिलास पीना चाहिए। इसको ज्यादा मात्रा में पीने से पेट में दर्द, सूजन और पेट फूलने की समस्या भी हो सकती है।

दूध के साथ खाएंगे ये चीजें तो आएगी दिक्कतें

दूध कैल्शियम का सबसे अच्छा स्त्रोत है। छोटे बच्चों से लेकर बड़ों तक हर किसी के लिए दूध पीना लाभकारी है। इससे हड्डियां मजबूत और शरीर को पोषण भी मिलता है लेकिन कुछ लोग दूध के साथ किसी भी चीज का सेवन कर लेते हैं, जिससे फायदे की जगह नुकसान हो सकता है। जिसका जानकारी न होने के कारण हम अपनी ही हानि पहुंचाते हैं। आइए जाने दूध के साथ किन चीजों को खाने से परहेज करना चाहिए।

1. मछली

मछली और दूध दोनो ही सेहत के लिए बहुत अच्छे हैं लेकिन इसका सेवन एक साथ नहीं करना चाहिए। इससे स्किन इंफैक्शन हो सकती है। मछली और दूध का एक साथ सेवन करने से स्किन पर सफेद दाग आने शुरू हो जाते हैं, जिसे फुलवहरी कहते हैं। अगली बार मछली खाने के बाद दूध पीने का मन है तो इसका किसी एक चीज का सेवन न करें।

2. प्याज

प्याज का सलाद खा रहे हैं तो इसके साथ दूध पीने से भी सेहत को नुकसान हो सकता है। इससे खुजली,दाद,एलर्जी आदि की समस्या हो सकता है। प्याज खाने के 3-4 घंटे बाद दूध न पीएं।

3. उड़द दाल

उड़द दाल खाने में बहुत टेस्टी होती है लेकिन इसके साथ दूध पीने से सेहत संबंधी कई तरह की परेशानियां आ सकती हैं।

4. नींबू

दूध और नींबू का एक साथ सेवन भी बहुत सी परेशानियों का कारण बन सकता है। नींबू पानी पीने के एक दम बाद दूध न पीएं।

5. दही

दही दूध से भी ज्यादा गुणकारी होता है लेकिन दही और दूध का सेवन एक साथ नहीं करना चाहे। दही खाने के बाद दूध पीते हैं तो इससे पेट में एसिड बनना शुरू हो जाता है।

6. नमक और करेला

करेले की सब्जी खा रहे हैं तो इसके साथ भी दूध न पीएं। इससे सेहत संबंधी बहुत सी परेशानियां आ सकती है। इसके अलावा नमकीन चीज के साथ भी दूध का सेवन नहीं करना चाहिए।

तेज धूप में भी स्किन रहेंगी खिली-खिली

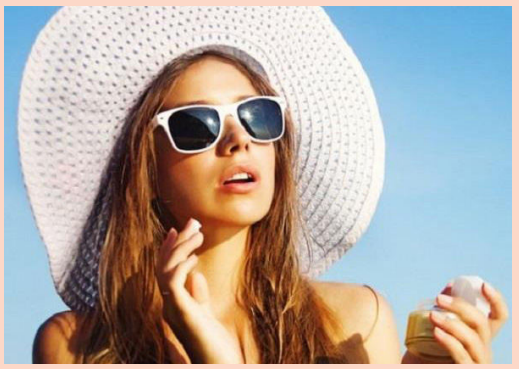

गर्मियों में तेज धूप के कारण स्किन प्रॉब्लम होने लगती है। सूर्य की गर्मी और वायु प्रदूषण कारण स्किन ड्राई और काली पड़ जाती है। लड़कियां इन समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए कई तरह के ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का सहारा लेती है। जिसका बाद में फायदा कम और नुकसान ज्यादा झेलना पड़ता है। अगर आप इन समस्याओं से परेशान है और खोई हुई खूबसरती, रंगत को दोबारा लाना चाहते हैं तो इन घरेलू तरीकों का इस्तेमाल करें। जिसका कोई आपकी स्किन पर साइड इफैक्ट भी नहीं होगा।

➤ तेज धूप के कारण हुए नुकसान से राहत पाने के लिए शाम को कुछ समय चेहरे पर बर्फ के टुकड़े रखें।

➤ झुलसी स्किन ठीक करने के लिए चेहरे पर टमाटर पेस्ट लगाएं।

➤ सनबर्न के असर खत्म करने के लिए गुलाब जल में तरबूज का रस मिलाएं और इसे 20 मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं।

➤ चेहरे का निखार बरकरार रखने के लिए 1 चम्मच शहद में 2 चम्मच नींबू का रस मिलाएं और फिर इसे 30 मिनट लगा रहने दें। इसे बाद में ताजे पानी से धो लें।

➤ ऑयली स्किन से झुलसी त्वचा से छुटकारा पाने के लिए खीरे को कद्दूकस करके उसमें दही मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे 20 मिनट चेहरे पर लगाएं और बाद में ताजे पानी से धोएं।

➤ झुलसी स्किन को कोमल करने और निखारने के लिए इस पर कॉटनवूल के साथ ठंड़ा दूध लगाएं।

➤ इसके अलावा मुट्ठी भर तिल पीस लें और इसे आधे कप पानी में 2 घंटे के लिए रख दें। अब इसे छान लें और इसके पानी से चेहरे को साफ करें।

दिन में मेकअप करने के बाद रात को ऐसे करें स्किन केयर

दिन हो या रात लड़कियां हर समय अपनी ब्यूटी को लेकर चिंता में रहती हैं। फेस केयर की बात हो तो बिना मेकअप के लड़कियां घर से बाहर भी नहीं जाती लेकिन सारा दिन हैवी मेकअप से कई तरह की स्किन प्रॉब्लम भी होनी शुरू हो जाती है। इसके लिए जरूरी है कि रात से समय चेहरे को अच्छी तरह से साफ करके सोएं। बहुत कम लोग जानते हैं कि दिन की बजाय रात को स्किन की केयर करने से ज्यादा फायदा मिलता है। आइए जानें रात को सोने से पहले चेहरे पर क्या लगाना चाहिए।

1. टोनर से करें फेस क्लीन

मेकअप साफ करने के बाद भी स्किन पर धूल-मिट्टी चिपकी रहती है। इसके लिए चेहरे को टोनर से साफ कर लें। टोनर से त्वचा का पीएच स्तर बैलेंस रहता है जो बैक्टीरिया से

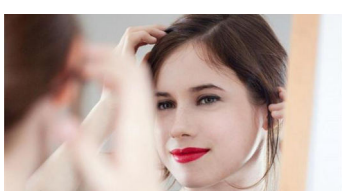

बचाव रखने के साथ स्किन को भी पूरी तरह से क्लीन करने का काम करता है। इसके साथ ही मेकअप के कारण बंद पोर्स भी खुल जाते हैं। कैमिक्ल युक्त टोनर इस्तेमाल करने की बजाय खीरे का टोनर बना कर भी इसे इस्तेमाल कर सकते हैं।

2. आई क्रीम लगाएं

सोने से पहले आंखों के आसपास आई क्रीम लगाना न भूलें। इससे आंखों के आसपास झुर्रियां भी कम होनी शुरू हो जाती हैं लेकिन इसे लगाने से पहले यह बात जांच लें कि यह क्रीन बढ़िया क्वालिटी की हो।

3. पैरों की भी करें केयर

सारा दिन घर से बाहर रहने के बाद चेहरे ही नहीं बल्कि पैरों को भी खास केयर की जरूरत पड़ती है। रात को सोने से पहले पैरों को धो कर इस पर पेट्रोलियम जेली लगाएं। सुबह आपके पैरे कोमल और साफ हो जाएंगे।

4. दांत भी करें साफ

खूबसूरत दांत भी ब्यूटी का हिस्सा है। इससे पर्सनेलिटी पर भी खास असर दिखता है। सारा दिन हम कुछ न कुछ खाते रहते हैं, जिससे रात तक दांतों में बदबू आनी शुरू हो जाती है। इसके लिए जरूरी है कि रात को सोने से पहले दांतों को जरूर साफ करें। नमक में सरसों का तेल मिला कर मंजन करने से भी मुंह के कीटाणु खत्म हो जाते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

...टीवी एक्टर को डेट कर रही थीं दिशा पाटनी

बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस दिशा पाटनी 13 जून को अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। दिशा ने अपनी एक्टिंग के जरिए बहुत कम समय से फिल्म इंडस्ट्री में एक अलग पहचान बनाई हैं। वह अक्सर टाइगर श्रॉफ के साथ रिलेशनशिप की खबरों को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं दिशा अपने करियर के शुरूआती दिनों में टीवी एक्टर पार्थ समथान के साथ रिलेशनशिप में थीं। एक वक्त पर ये दोनों बेहद प्यार में थे। वहीं फिर अचानक दोनों का ब्रेअप हो गया। ब्रेकअप क्यों हुआ ये जानकर आप चौंक जाएंगे। दिशा पाटनी और पार्थ समथान ने साथ में फ्रेश फेस हंस कॉन्टेस्ट में हिस्सा लिया थश। यहीं से दोनों के रिश्ते की शुरूआत हुई थी। दोनों की दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। फिर अचानक दोनों का ब्रेकअप हो गया। कई मीडिया रिपोर्ट्स दावा किया गया था कि दिशा को पता चल चुका था कि पार्थ उन्हें चीट कर रहे हैं जिसके बाद उन्होंने इस रिश्ते को खत्म करने में ही भलाई समझी। वहीं पार्थ से ब्रेकअप के बाद दिशा बुरी तरह अपसेट थीं लेकिन उन्होंने अपनी पूरी एनर्जी के अपने बॉलीवुड करियर को संवारने में लगाई। बताया जाता है कि पार्थ से ब्रेकअप के बाद दिशा को टाइगर श्रॉफ मिले और दिशा लंबे समय से टाइगर श्रॉफ को डेट कर रही हैं। हालांकि, अभी तक इन दोनों ने अपने रिश्ते को कन्फर्म नहीं किया है।

शाहरुख खान ने शुरू की काम पर लौटने की तैयारी?

बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान पिछले तीन साल से फिल्मों से दूरी बनाये हुए हैं इस दौरान उनकी कोई भी फिल्म रिलीज नहीं हुई है। ऐसे में एक्टर के फैंस जल्द ही उन्हें बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। लेकिन फैंस के लिए खुशी की खबर ये सामने आ रही हैं कि हाल ही में खुद शाहरुख खान ने इशारा किया है कि वह काम पर वापस आ रहे हैं। इस बीच उन्होंने अपनी एक फोटो साझा करके कहा कि काम पर लौटने का समय आ गया है। भले ही बादशाह खान ने काफी लंबे समय से फिल्मों से दूरी बना रखी हो, लेकिन सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस के संपर्क में रहते हैं और अपने से जुड़े अपडेट्स शेयर करते रहते हैं। हाल ही में शाहरुख खान ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी एक नई तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के साथ एक्टर ने लिखा, वो कहते हैं समय को दिन, महीने और दाढ़ी से मापा जाता है। मुझे लगता है कि अब समय आ गया है ट्रिम करने का और काम पर लौटने का। उन सभी को शुभकामनाएं जो कुछ हद तक सामान्य स्थिति में पहुंच गए हैं। सुरक्षित और स्वस्थ दिन और आगे काम करने के महीने। सभी को ढेर सारा प्यार।

'हसीन दिलरुबा' के लिए पहली पसंद नहीं थी तापसी पन्नू

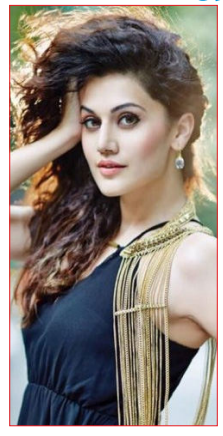

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस तापसी पन्नू की मिस्ट्री थ्रिलर 'हसीन दिलरुबा' का ट्रेलर शुक्रवार को रिलीज कर दिया है। फैंस इसे काफी पसंद कर रहे हैं और फिल्म के रिलीज होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। तापसी पन्नू ने खुलासा किया है कि वह इस फिल्म की पहली पसंद नहीं थीं। ऐक्ट्रेस का दावा है कि सभी विकल्प समाप्त होने के बाद फिल्म उनके पास आई। तापसी पन्नू ने कहा, फिल्म 'हसीन दिलरुबा' जिस दिन मैंने राइटर कनिका ढिल्लों से मूल विचार सुना, उसी दिन मुझे ये बहुत अच्छा लगा था। दुर्भाग्य से मैं फिल्म के लिए पहली पसंद नहीं थी और आखिरकार यह मेरे पास आई। क्योंकि उनके विकल्प समाप्त हो गए थे। तापसी पन्नू फिल्म को एक ऐक्टर के हाथ में कैंडी कहती हैं। तापसी पन्नू ने कहा, पुरानी कहावत है कि, अगर यह आपके लिए है तो यह आपके पास ही आएगी। यह इस फिल्म पर बिल्कुल फिट बैठती है। यह सिर्फ एक खूबसूरती से लिखित एक कहानी है, इसमें ऐसे अद्भुत पात्र हैं, जो एक ऐक्टर के हाथों में कैंडी के सामान है। तापसी ने आगे कहा, मुझे खुशी है कि मुझे इस के साथ अपने लुक और प्रदर्शन के साथ प्रयोग करने का मौका मिला क्योंकि मैं निश्चित रूप से इस तरह के चरित्र के लिए फिट नहीं हूं, और हम सभी को रिस्क लेना पसंद है।